कार्यालय पुलिस आयुक्त, पुलिस कमिश्नरेट, वाराणसी।

प्रेस नोट

दिनांक- 09-06-2024

विषय:- पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी श्री मोहित अग्रवाल द्वारा सुगम यातायात संचालन हेतु यातायात पुलिस व थानाध्यक्षों के साथ Brain Storming (चिंतन) गोष्ठी का आयोजन।

आज दिनांक 09.06.2024 को पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी श्री मोहित अग्रवाल द्वारा रिजर्व पुलिस लाईन स्थित सभागार में यातायात के प्रबन्धन एवं सुगम संचालन विषय पर काशी, वरूणा जोन एवं यातायात के समस्त अधिकारीगण के साथ गोष्ठी की गई। उक्त गोष्ठी में पुलिस उपायुक्त यातायात श्री हृदेश कुमार, पुलिस उपायुक्त काशी जोन श्री प्रमोद कुमार, अपर पुलिस उपायुक्त काशी जोन श्री चन्द्रकान्त मीना, अपर पुलिस उपायुक्त वरूणा जोन श्री सरवरणन टी., अपर पुलिस उपायुक्त श्री राजेश कुमार पाण्डेय सहित दोनों जोन के समस्त अधिकारीगण, थाना प्रभारीगण एवं यातायात के अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

चिंतन सत्र में प्रत्येक टी.आई./टी.एस.आई./थानाध्यक्ष से उनके क्षेत्र से सम्बन्धित निम्न बिन्दुओं पर चर्चा की गई-

1. उनके कार्य क्षेत्र में किस क्षेत्र (चौराहे/तिराहे/बाजार) में जाम लगता है।
2. जाम सप्ताह के किन दिनों में अधिक लगता है।
3. जाम दिन के किस समय में अधिक लगता है।
4. जाम लगने के मुख्य कारण निम्न में से क्या हैं-
    a. अतिक्रमण
    b. दुकानदारों का दुकान को आगे बढ़ाकर लगाना
    c. Yellow Line व Zebra Line का न होना
    d. सड़क का टूटा-फूटा होना
    e. सड़क पर अवैध निर्माण

f. साइन बोर्ड का न होना

g. पुलिस/यातायात की ड्यूटी न होना

h. चौराहों के आस-पास ठेला आदि का लगना

i. अन्य कारण

5. जाम किस प्रकार कम किया जा सकता है-

a. रोड को वन वे करके

b. यू-टर्न की व्यवस्था करके

c. पार्किंग का स्थान निर्धारित कर

d. अतिक्रमण हटाकर

e. रोड डिवाइडर बनाकर

f. अन्य कोई उपाय

इस Brain Storming Session (चिंतन सत्र) के उपरान्त प्रत्येक चौराहे, मार्ग व बाजार के लिए अलग-अलग कार्य-योजना बनाई जायेगी, जिसे यातायात पुलिस, थानाध्यक्ष, नगर निगम, पीडब्लूडी व वाराणसी विकास प्राधिकरण के सहयोग से लागू किया जायेगा।

इसके अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त यातायात को ई-रिक्शा (टोटो) को नियन्त्रित कर Routewise चलाने हेतु कार्य-योजना तैयार कर प्रस्तुत किये जाने हेतु भी निर्देशित किया गया।

पुलिस आयुक्त महोदय द्वारा भीषण गर्मी में भी मेहनत से कार्य करने के लिए यातायात कर्मियों की सराहना कर उत्साहवर्धन करते हुए निम्न निर्देश दिये गये-

1. यातायात एवं सिविल पुलिस आपस में समन्वय स्थापित कर यातायात संचालन में सक्रिय भूमिका निभाये एवं यातायात व्यवस्था में हर कर्मचारी अपना सहयोग करे।
2. सुगम यातायात व्यवस्था के दृष्टिगत चौराहों से 200 मी0 तक की सड़के अतिक्रमण मुक्त रहें। अतिक्रमण हटाने की कार्ययोजना तैयार कर कार्यवाही की जाये।

3. यातायात व्यवस्था में लगाये गये पुलिस बल की ड्यूटी प्वाइंट पर अधिकारीगण द्वारा ब्रीफिंग की जाये।
4. थाना प्रभारीगण को निर्देशित किया गया कि वे भी यातायात संचालन में अपनी सक्रिय भूमिका निभायें।
5. विशेष दिन, समय व स्थान पर यातायात के दबाव का अध्ययन कर यातायात प्रबन्धन किया जाये।
6. यातायात दबाव वाले स्थानों पर ट्रैफिक एडवाइजरी कमेटी द्वारा दिये गये सुझावों पर अमल कर यातायात के संचालन हेतु निर्देशित किया गया।
7. यातायात के नियमों का उल्लंघन कर यातायात बाधित करने वालों के विरूद्ध प्रभावी/सख्त कार्यवाही की जाये।
8. ड्यूटी के दौरान जनता से दुर्व्यवहार न किया जाये एवं अपने कर्तव्यों का दृढ़ता पूर्वक शालीनता से निर्वहन किया जाये।

सोशल मीडिया सेल
पुलिस आयुक्त,
वाराणसी।